मॉरीशस के आईएसए के देशीय साझेदारी फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर

चर्चा में क्यों?

मॉरीशस गणराज्य और अंतर-सरकारी संगठन **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) ने सौर सहयोग को** मज़बूत करने और **स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में** तेज़ी लाने के लिये एक **देशीय साझेदारी फ्रेमवर्क (CPF) पर हस्ताक्षर किये।**

मुख्य बिंदु

- **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के बारे में:**
  - अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) **सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों** के बढ़ते उपयोग के लिये एक **कार्य-उन्मुख, सदस्य-संचालित, सहयोगात्मक मंच है।**
    - इसका मूल उद्देश्य अपने सदस्य देशों में ऊर्जा तक पहुँच को सुगम बनाना,**ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और ऊर्जा परिवर्तन को बढ़ावा देना है।**
  - ISA की परिकल्पना **भारत और फ्रांस द्वारा सौर ऊर्जा समाधानों** के माध्यम से **जलवायु परिवर्तन** के विरुद्ध प्रयासों को गति देने के लिये एक संयुक्त प्रयास के रूप में की गई थी।
- **दृष्टिकोण:**
  - आइये हम सब मिलकर सूर्य को अधिक उज्ज्वल बनाएँ।
- **उद्देश्य:**
  - हर घर में, चाहे वह कितना भी दूर क्यों न हो, रोशनी होगी।
- **मुख्यालय:**
  - **इसका मुख्यालय भारत में है तथा इसका अंतरिम सचिवालय गुरुग्राम** में स्थापित किया गया है।

देश भागीदारी रूपरेखा (CPF):

- **CPF सौर परियोजनाओं और नीति समर्थन पर सहयोग के लिये एक संरचित, रणनीतिक दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत करता है।**
- मॉरीशस इस रूपरेखा पर हस्ताक्षर करने वाला पहला अफ्रीकी देश और विश्व स्तर पर चौथा देश (बांग्लादेश, भूटान और क्यूबा के बाद) है।
  - CPF तीन वर्षों के लिये वैध है, जिसमें आपसी सहमति के आधार पर नवीकरण का प्रावधान है।
- **देश साझेदारी रणनीति (CPS):**
  - CPF के बाद, ISA और मॉरीशस **मिलकर एक देश साझेदारी रणनीति (CPS) का विकास करेंगे, जो** मॉरीशस के राष्ट्रीय ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप होगी।
  - CPS **देश-संचालित और आवश्यकता-आधारित होगा, जो** सौर तैनाती के लिये अनुकूल परिस्थितियों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

मुख्य लक्ष्य:

- **रणनीतिक योजना एवं विनियमन:**
  - सौर ऊर्जा रोडमैप का निर्माण या संशोधन।
  - सौर अनुप्रयोगों को सुविधाजनक बनाने के लिये नियामक ढाँचे का विकास।
- **प्रौद्योगिकी एवं क्षमता निर्माण:**
  - **सौर प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग संसाधन केंद्र (सेटार-सी)** की स्थापना।
  - तकनीकी, विनियामक और वित्तीय क्षेत्रों में प्रशिक्षण और कौशल उन्नयन।
- **सौर अनुप्रयोगों की तैनाती:**
  - सौर छतों, फ्लोटिंग सौर, **एग्रीवोल्टाइक** और सौर जल पंपिंग को बढ़ावा देना।
  - सौर ऊर्जा से संचालित हरित हाइड्रोजन पहल के लिये समर्थन।
  - **द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र** के अनुरूप सौर नौकाओं और अन्य नवाचारों की खोज।
- **मॉरीशस में ISA की वर्तमान भूमिका:**
  - **ISA के संस्थापक सदस्य** मॉरीशस ने ISA के नेतृत्व वाली पहलों में सक्रिय रूप से भागीदारी की है।

- इनमें उल्लेखनीय है जवाहरलाल नेहरू अस्पताल का सौरीकरण, जिसे ISA केयर्स पहल के तहत क्रियान्वित किया गया है, जिसका उद्देश्य **लघु द्वीपीय विकासशील राज्यों (SIDS)** में स्वास्थ्य सुविधाओं को सौरीकृत करना है।
- यह अस्पताल मूलतः भारतीय सहयोग से वर्ष **1984 में स्थापित किया गया था तथा जून 2024 में इसका सौर ऊर्जा से परिचालन शुरू किया जाएगा।**

लघु द्वीप विकासशील राज्य (SIDS)

- **लघु द्वीपीय विकासशील राज्य (SIDS)** छोटे द्वीपीय राष्ट्रों और क्षेत्रों के समूह को संदर्भित करते हैं, जो महत्त्वपूर्ण सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय कमजोरियों के साथ-साथ **सतत विकास** में साझा चुनौतियों का सामना करते हैं।
  - SIDS में मालदीव, सेशेल्स, मार्शल द्वीप, सोलोमन द्वीप, सूरीनाम, मॉरीशस, पापुआ न्यू गिनी, वानुअतु, गुयाना और सिंगापुर शामिल हैं।
- SIDS मुख्य रूप से तीन प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों में स्थित हैं: **कैरीबियाई, प्रशांत और अटलांटिक, हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर** क्षेत्र।
- **1992 में पर्यावरण एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन** में, SIDS को उनकी अद्वितीय पर्यावरणीय और विकासात्मक चुनौतियों के कारण औपचारिक रूप से एक विशेष मामले के रूप में मान्यता दी गई थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mauritius-signs-isa-s-country-partnership-framework